

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India



प्रधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

साप्ताहिक  
WEEKLY

सं. 35। नई दिल्ली, नवम्बर 9—नवम्बर 15, 2008, शनिवार/कार्तिक 18—कार्तिक 24, 1930

No. 35। NEW DELHI, NOVEMBER 9—NOVEMBER 15, 2008, SATURDAY/KARTIKA 18—KARTIKA 24, 1930

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह पृष्ठक संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)  
PART II—Section 3—Sub-section (iii)

केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए आदेश और अधिसूचनाएं

Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)

### भारत निर्वाचन आयोग

#### आदेश

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 2008

आ. अ. 89.—यतः, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली विधान सभा के साधारण निर्वाचन, 2003 से निर्वाचन लाहने वाले अध्ययीं श्री जेनेश कुमार भदाना, निवासी डब्ल्यू. पी. 43, ग्राम बजीरपुर, असांक विहार, दिल्ली लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10क के अधीन तथा लक्ष्मीन लवाट गर. नियमों द्वारा अप्रैलियत रूप से निर्वाचन व्यव्यों का लोका दाखिल करने में असफल रहने के कारण भारत निर्वाचन आयोग के आदेश सं. 76/दिल्ली-विधान सभा/ 2003 दिनांक 8-1-2007 द्वारा निरहित घोषित किया था।

यतः श्री भदाना से दिनांक 19-3-2007 को निरहित होने के लिए आपा आवेदन, आयोग के दिनांक 4-6-2007 के आदेश द्वारा अस्वीकृत कर दिया गया है।

यतः राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली विधान सभा के साधारण निर्वाचन - 2003 के संबंध में श्री अद्यन ने, माननीय उच्च न्यायालय के दिनांक 6-5-2008 के आदेश के अनुसरण में बाउचर की फोटो काफी सहित अपने व्यव्यों की विस्तृत सूची एवं अपने दावे के समर्थन में निर्वाचन व्यव्यों का लेखा एस. डी. एम. (निर्वाचन) को पहले ही प्रस्तुत कर दिया था, आयोग की उपरोक्त आदेश की समीक्षा हेतु आवेदन दिया है।

यतः श्री भदाना को इस मापले में उनके निवेदन पर दिनांक 17-9-2008 को व्यक्तिगत रूप से मुन् जाए का अवसर प्रदान किया गया था । श्री भदाना दिनांक 17-9-2008 को आदेश के समव्य अयं वकाल के साथ उपस्थित हुए जहाँ मीठाक निवेदन के अलावा मापले में सहायुभूतपूर्वक पुनर्विभाग किया जाए, और यदि वह दोषी पाया जात है तो निगहेता आदेश में परिवर्तन किया जाए, कांकि� वह पहले ही डैड वर्य के लिए निरहत रह चुका है, जिससे वह अगले निवाचन में लड़ने में समर्थ हो सके, और

यतः मापले के इसतंत्रजी वथा तथ्यों पृत्र परिविधितियों का अवलोकन करते हुए को प्यान में रखते हुए तथा दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में, आदेश ने सौक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 को धारा 11 के अधीन प्रदान शक्तियों का प्रबोध बरते हुए, उनसे अधिनियम की धारा 11 के अन्तर्गत अद्य जनेश कुमार भदाना पर अधिगत निरहत की अवधि कम करते हुए, उप आदेश की तरीख तक कर दी है ।

आतएव, अब आदेश के अन्दर संख्या 76/दिल्ली-विधान सभा/2003 (6) दिनांक 8-1-2007 में उन संख्या 5 से उपस्थित श्री जनेश कुमार भदाना का नाम दिनांक 31-10-2008 में उक्त आदेश से हुए दिया समझा जाएगा ।

[संख्या 76/दिल्ली-विधान सभा/2003]

आदेश द्वारा

संग्रहालय युहल्ला, याचन

## ELECTION COMMISSION OF INDIA

### ORDER

New Delhi, the 1st November, 2008

**O. N. 89.**—Whereas, Shri Janesh Kumar Bhadana, t/o, W. P.-43, Wazirput village, Ashok Vihar, Delhi, a contesting candidate for the General Election to the Legislative Assembly of NCT of Delhi held in 2003 was disqualified by the Election Commission of India, vide its order No. 76/DL-LA/2003, dated 8-1-2007, under Section 10(1) of the Representation of the People Act, 1951, for failure to lodge his account of election expenses as required by the said Act and the Rules and Orders made thereunder; and

Whereas, an application dated 19-4-2007 received from Sh. Bhadana, for removal of disqualification was rejected vide Commission's order dated 4-6-2007, and

Whereas, Sh. Bhadana, in pursuance of the directions of Hon'ble High Court in its order dated 6-5-2008 submitted an application to review the Commission's above-mentioned orders along with photo copies of witnesses and his detailed list of expenditure pertaining to the general election to the Legislative Assembly of NCT of Delhi 2003 and documents in support of the claim that he has already submitted the accounts of election expenditure to the SMC (election), and

Whereas, Sh. Bhadana was afforded an opportunity to be heard in person, on his request, on 17-9-2008, in the matter. Sh. Bhadana appeared before the Commission on 17-9-2008 along with his lawyer whereat apart from his oral submissions, he has also submitted in writing that his case may be reconsidered sympathetically and if at all he is found guilty, the disqualification order may be modified as he has already undergone one year and six months of disqualification so that he may be able to contest next elections, and

Whereas, having perused the papers and having regard to the facts and circumstances of the case, and in deference to the order of the Delhi High Court, the Commission in exercise of the powers conferred under Section 11 of R.P. Act, 1951, has reduced the period of disqualification imposed under Section 10 A of the said Act on the said Shri Janesh Kumar Bhadana upto the date of this order;

Now, therefore, the name of Sh. Janesh Kumar Bhadana appearing at Sl. No. 5 in the Commission's Order No. 76/DL-LA/2003 (6), dated 8-1-2007 shall deemed to have been omitted from the said order with effect from 31-10-2008.

[No. 76/DL-LA/53/2003]

By Order,

STANHOPE YUHLUNG, Secy.